भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3313
गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ानों का रद्द किया जाना

3313. श्री के. राधाकृष्णन:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान आरसीएस उड़ान योजना के अंतर्गत वर्ष-वार और राज्यवार कुल कितनी उड़ानें निर्धारित की गई और कितनी उड़ानें रद्द की गईं;

(ख) वर्ष 2022 से उड़ानें रद्द होने के क्या कारण हैं और प्रचालन संबंधी मुद्दों सहित प्रत्येक कारण से वर्षवार और राज्यवार कितनी उड़ानें रद्द की गई हैं; और

(ग) रद्दीकरण से प्रभावित विभिन्न प्रकार के विमान कौन-कौन से हैं और छोटे विमानों सहित प्रत्येक प्रकार के विमान के रद्द किए जाने का प्रतिशत क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग) **:** क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-'उड़ान') के अंतर्गत आज की तारीख तक 625 मार्गों को प्रचालनरत किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों (जनवरी, 2022 से दिसंबर, 2024) के दौरान 84 आरसीएस मार्ग 3 वर्ष की अवधि पूरी होने से पहले बंद हो गए हैं। विभिन्न कारणों से पिछले चरणों में बंद किए गए पात्र मार्गों पर फिर से बोली लगाई गई है, उन्हें उत्तरवर्ती चरणों में अवार्ड और प्रचालनरत किया गया है। मार्ग रद्द होने के प्रमुख कारणों में कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधान, वैश्विक इंजन समस्याओं के कारण कई विमानों की ग्राउंडिंग जिसने देश में सभी एयरलाइन प्रचालकों के लिए उपलब्ध बेड़े को काफी कम कर दिया, कुछ एयरलाइनों का बंद होना और विशिष्ट मार्गों पर कम यात्री माँग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त स्लॉट की अनुपलब्धता, कम यात्री माँग, सीमित विमान उपलब्धता और विभिन्न आंतरिक चुनौतियों जैसे मुद्दों ने एयरलाइनों को अवार्ड की हुई साप्ताहिक उड़ान आवृत्तियों को शेड्यूल करने से रोक दिया। खराब मौसम की स्थिति और विभिन्न परिचालन बाधाओं ने भी उड़ानों के रद्द होने में योगदान दिया है। ऐसे कारण किसी भी मार्ग पर किसी भी प्रकार के विमान परिचालन को प्रभावित करेंगे। आरसीएस-'उड़ान' के तहत, विभिन्न एयरलाइनों द्वारा टेकनम पी2010, ट्विन ओटर डीएचसी 400, क्यू400, एम्ब्रेयर 175 और 145, एटीआर-42, एटीआर-72, ए320 और सेसना ग्रैंड आदि जैसे कई विमान परिचालित किए जा रहे हैं। उड़ानों के रद्द होने का विमानवार डेटा नहीं रखा जा रहा है।

******